भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 3195
गुरुवार, 18 दिसंबर, 2025/27 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

तमिलनाडु में विमानपत्तनों का विकास

3195. श्री तमिलसेल्वन थंगाः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान तमिलनाडु में मौजूदा विकसित/विकसित किए जाने वाले विमानपत्तनों की कुल संख्या कितनी है;

(ख) तमिलनाडु में विमानपत्तन-वार कुल कितने विमानपत्तनों का विस्तार किया जा रहा है/विस्तार किया जाना प्रस्तावित है;

(ग) तमिलनाडु में विमानपत्तनों के विकास/विस्तार के लिए आबंटित, संवितरित और उपयोग की गई कुल निधियों का विमानपत्तन-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार का तमिलनाडु में नए विमानपत्तनों के निर्माण/शुरू करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): तमिलनाडु में वर्तमान में छह कार्यशील हवाईअड्डे हैं, नामतः चेन्नई, मदुरै, तिरुचिरापल्ली, सेलम, तूतीकोरिन और कोयंबटूर। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने तमिलनाडु के हवाईअड्डों पर विभिन्न विकास और विस्तार कार्य किए हैं, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ चेन्नई हवाईअड्डे पर एक और टर्मिनल भवन का आधुनिकीकरण और निर्माण, मदुरै हवाईअड्डे पर रनवे के दक्षिण छोर पर परिचालन क्षेत्र की ग्रेडिंग, तिरुचिरापल्ली हवाईअड्डे पर एक नए हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) टावर-सह-तकनीकी ब्लॉक का निर्माण, और वेल्लोर हवाईअड्डे पर एक कार्यशील चार-दिवारी का निर्माण शामिल है। इन हवाईअड्डों के विकास और विस्तार के लिए आवंटित निधि और व्यय का विवरण अनुलग्नक में दिया गया है।

(घ): भारत सरकार ने देश में ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के विकास हेतु ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा (जीएफए) नीति, 2008 तैयार की है। इस नीति के अनुसार, भारत सरकार ने परंदूर में एक ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के विकास के लिए "सैद्धांतिक" अनुमोदन प्रदान किया है। होसूर में ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के विकास के लिए साइट क्लीयरेंस प्राप्त करने हेतु नवंबर, 2025 में एक आवेदन प्राप्त हुआ है, जो वर्तमान में इस मंत्रालय के विचाराधीन है।

साथ ही, नागर विमानन मंत्रालय ने देश के असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों से क्षेत्रीय हवाई संपर्क बढ़ाने और जनसाधारण के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाने के लिए दिनांक 21.10.2016 को क्षेत्रीय संपर्क योजना - उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उड़ान) शुरू

की है। तमिलनाडु में, इस योजना के तहत विकास और आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए चार हवाईअड्डों, नामतः सेलम, वेल्लोर, नेवेली और तंजौर को चिह्नित किया गया है, जिनमें से सेलम हवाईअड्डे को प्रचालनरत किया जा चुका है।

लोक सभा के दिनांक 18.12.2025 के लिखित प्रश्न संख्या 3195 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

क्रम सं.	हवाईअड्डा	परियोजना / कार्य का स्वरूप	स्वीकृत लागत (ए/ए और ई/एस) (करोड़ में)	नवंबर–2025 तक व्यय/ उपयोग (करोड़ में)
1	चेन्नई	चेन्नई हवाईअड्डे का आधुनिकीकरण – चरण II	2467	1690.84
2		परिचालन क्षेत्र में अत्यधिक वर्षा जल निकासी	146.19	34.97
3		टी1 और टी4 का नवीनीकरण	81.8	9.27
4		आरईटी, टैक्सी ट्रैक और संबद्ध कार्य	480.06	0
5	कोयंबटूर	नई अधिग्रहीत भूमि के लिए चारदीवारी	51.31	0
6	मदुरै	परिचालन क्षेत्र की ग्रेडिंग और जल निकासी कार्य	17.17	15.59
7	तिरुचिरापल्ली	नया एटीसी टावर सह तकनीकी ब्लॉक	80.17	34.76
8	वेल्लोर	कार्यशील चार–दिवारी	10.18	4.73

*****